मधुमेह से दृष्टि हानि

डायबेटिक मेक्युलर एडिमा (डीएमई) के लक्षण, रोकथाम एवं उपचार

''वर्तमान में डायबिटिज़ से ग्रस्त प्रत्येक 3 व्यक्तियों में से 1 को अपने जीवनकाल में रेटिनोपैथी विकसित हो सकता है''

आँख को हमारे शरीर का सबसे जटिल हिस्सा कहा जाता है। कॉर्निया के माध्यम से प्रकाश भीतर प्रवेश करता है, यह आयरिस यानी पुतली से होकर गुज़रता है और फिर लेन्स तक पहुँचता है, जो आँख के पीछे के पर्दे पर प्रकाश को केंद्रित करता है।

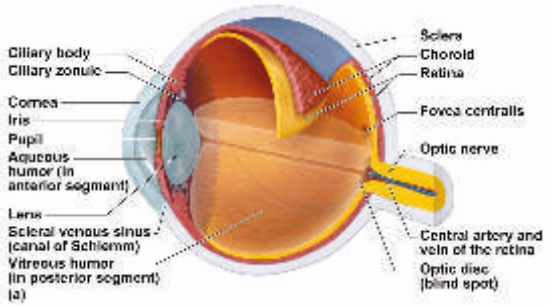

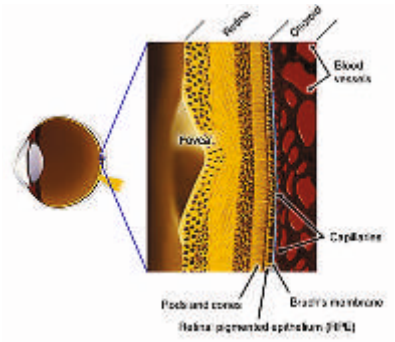

रेटिना

रेटिना प्रकाश-संवेदी कोशिकाओं या फोटोरिसेप्टरों से भरा होता है जिन्हें रोड्स और कोन्स कहा जाता है। मेक्युला रेटिना का केन्द्र होता है और यह तीक्ष्ण केन्द्रीय दृष्टि के लिए उत्तरदायी होता है। फोविया मेक्युला में एक छोटा सा हिस्सा होता है जो सबसे तीक्ष्ण दृष्य उपलब्ध कराता है। जब प्रकाश रेटिना तक पहुँचता है तो फोटोरिसेप्टर आँख की तंत्रिका के द्वारा संकेत मस्तिष्क तक भेजते हैं, जो दृष्टि के रूप में उसकी व्याख्या करता है।

मधुमेह क्या है?

मधुमेह एक ऐसा रोग है, जो ग्लुकोस का उपयोग करने और उसका भंडारण करने की शरीर की क्षमता के साथ हस्तक्षेप करता है, जिससे अनेक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं। रक्त में अत्यधिक ग्लुकोस होने से पूरे शरीर को नुकसान पहुँच सकता है, जिनमें आँखें भी शामिल हैं। समय के साथ मधुमेह रेटिना के सर्क्युलेटरी सिस्टम को प्रभावित करता है।

डायबिटीज आँख को कैसे प्रभावित करता है?

डायबिटीज के कारण शरीर की रक्त वाहिनियों को कमजोर हो जाती है। बरीक रेटीनल रक्त वाहिनियाँ विशेषकर संवेदनशील होती हैं। रेटीना में कुछ संरचनात्मक बदलावों के साथ रेटीनल रक्त वाहिनियों की क्षति को डायबेटिक रेटिनोपैथी कहा जाता है। इसके कारण दृष्टि कमजोर हो जाती है।

डायबेटिक रेटिनोपैथी क्या है?

डायबिटीज में सबसे सामान्य रूप से होनेवाली आँख की जटिलता है डायबेटिक रेटिनोपैथी। इसके कारण रेटीना को धीरे धीरे नुकसान होता है जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि में गंभीर समस्या पैदा होती है। डायबिटीज से जुडे आँख के रोग की जल्द पहचान और समय पर उपचार होने से दृष्टि हानि होने का खतरा घट जाता है। डायबेटिक रेटिनोपैथी में दृष्टि से जुडे लक्षण केवल तभी दिखाई देते हैं जब वह बहुत अधिक बढ चुका होता है, इसीलिए डायबेटिक रेटिनोपैथी के शुरुआती संकेतों का पता केवल नेत्र चिकित्सक ही लगा सकता है। डायबेटिक रेटिनोपैथी में दृष्टि को नुकसान होने के दो मुख्य कारण हैं:

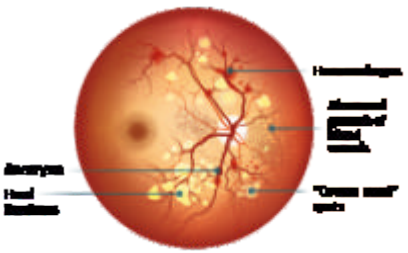

- प्रॉलिफरेटिव डायबेटिक रेटिनोपैथी
- डायबेटिक मैक्युलर एडिमा

प्रॉलिफरेटिव डायबेटिक रेटिनोपैथी क्या है?

इस स्थिति में रेटीना की सतह से बहुत ही छोटी रक्त वाहिनियाँ बनती हैं। ये नई रक्त वाहिनियाँ बहत ही नाज़ुक होती हैं और जिससे विट्रियस में आसानी से रक्तस्राव हो जाता है, जिसके चलते अचानक गंभीर दृष्टि हानि हो सकती है।

डायबेटिक मैक्युलर एडिमा (डीएमई) क्या है?

जब क्षतिग्रस्त रक्त वाहिनियाँ रिसती हैं और मैक्युला के ऊपर या नीचे द्रव जुटता है तो इसके परिणामस्वरूप सूजन आ जाती है और दृष्टि में विकार आ जाता है, जिसके कारण देखने की क्षमता में कमी आ जाती है। मैक्युलर एडिमा डाबिटीज ग्रस्त लोगों में दृष्टि हानि का सबसे सामान्य कारण है।

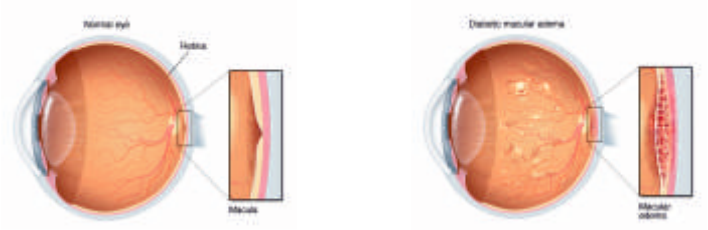

डीएमई के सामान्य लक्षण क्या हैं?

डायबेटिक मैक्युलर एडिमा में हमेशा लक्षण दिखाई नहीं देता, लेकिन आपको अपनी सामान्य दृष्टि में नीचे दिए गए फर्क का अनुभव हो सकता है.

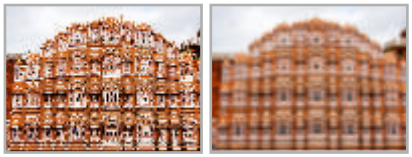

डीएमई का प्रमुख जोखिम किसे है?

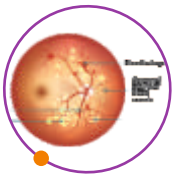

डायबिटिक रेटीनोपथी के चरण

गंभीर हायपरटेंशन

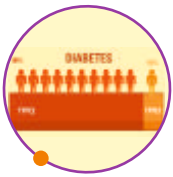

डायबिटीज का प्रकार/अवधि

मोटापा

रक्त में वसा का ऊँचा स्तर

क्या सभी डायबेटिक लोगों में डीएमई विकसित हो सकता है?

डायबिटीज ग्रस्त किसी भी व्यक्ति को संभावित रूप से डायबेटिक मैक्युलर एडिमा हो सकता है। यदि आपको लंबे समय से डायबिटीज है तो आपके रेटीना में यह स्थिति विकसित हो सकती है। तथापि, यह देखा गया है कि डायबिटीज ग्रस्त सभी लोगों में से तकरीबन आधे लोगों को अपने जीवन के दौरान कुछ सीमा तक डायबेटिक मैक्युलर एडिमा हो सकता है।

डीएमई का प्रबंध कैसे करें?

निदान

ऑफ्थैल्मोस्कोपी: ऑफ्थैल्मोस्कोपी विस्तृत रूप से रेटीना की संरचना का वर्धित (मैग्नीफाइड) दृश्य प्रदान करती है।

ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी (ओसीटी): यह ऐसी नैदानिक तकनीक है जो उच्च रिजोल्यूशनवाली तस्वीरों के साथ रेटीना का स्पष्ट चित्र देती है।

फंडस फ्लोरोसेन एंजियोग्राफी (एफएफए): यह एक सामान्य प्रक्रिया है जो रेटीना की रक्त वाहिनियों की स्थिति के बारे में अधिक जानकारी देने के लिए की जाती है। आपकी हाथ में एक डाई इंजेक्ट की जाती है जो आपकी रेटीनल नसों में जाती है जिससे कि अवरोधों की तस्वीर ली जा सके।

आफ्थैल्मोस्कोपी

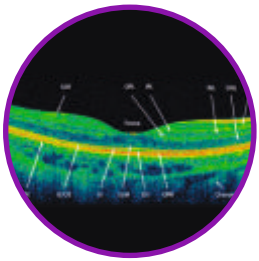

ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी

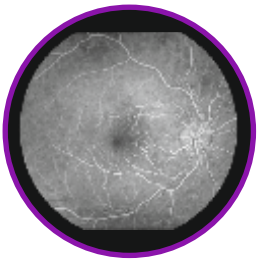

फंडस फ्लोरेसेन एंजियोग्राफी

उपचार

एंटी-वीजीईएफ इंजेक्शन थेरेपी

मैक्युलर एडिमा के लिए वर्तमान मानक देखभाल इंट्राविट्रियल इंजेक्शन है। एंटी-वीईजीएफ इंजेक्शन उपचार वीईजीएफ की गतिविधि को अवरुद्ध करता है और मैक्युलर एडिमा की प्रगति को धीमा करता है तथा दृष्टि हानि का जोखिम कम करता है।

लेजर फोटोकोएग्युलेशन

यह भी डीएमई के लिये एक उपचार है। यदि समय पर उपयोग में लाया जाये तो लेजर फोटोकोएग्युलेशन वर्तमान दृष्टि की क्षमता को बेहतरीन तरीके से बरकरार रख सकता है और इस तरह से दृष्टि हानि के जोखिम को कम कर सकता है, लेकिन इससे दृष्टि में सुधार होने की संभावना कम होती है।

इंट्रा विट्रियल स्टीरॉयड्स

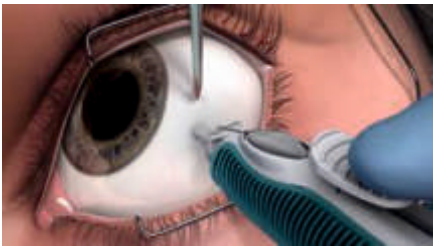

डीएमई के उपचार में इंट्राविट्रियल स्टीरॉयड्स का उपयोग किया जाता है। कॉर्टिकॉस्टिरॉयड्स जैसे डेक्सामेथासोन, फ्लुसिनोलोन एसिटेट और ट्रायएम्सिनोलोन एसिटोनाइड का उपयोग अक्सर इंट्राविट्रियल प्रत्यारोपण के रूप में किया जाता है या डीएमई के उपचार के लिए इंट्राविट्रियल इंजेक्शन्स दिए जाते हैं। कॉर्टिकॉस्टिरॉयड्स एडिमा को कम करते हैं और रक्त वाहिनियों से होनेवाले द्रव के रिसाव रोकते हैं।

विट्रेकाटोमी

विट्रेकाटोमी आँखो के अंदर से विट्रियस जैल को निकालने के लिए किया जानेवाले ऑपरेशन है। इसे उन प्रक्रिया को करने के लिए आवश्यक होता है जो द्रव को अपनी जगह पर रहने पर नहीं की जा सकती। इस प्रक्रिया में, विट्रियस जैल को या तो सिलिकॉन ऑयल, सलाइन सोल्यूशन, हवा या फिर गैस से बदला जाता है, जहाँ ये सभी समय बीतने पर आँख के अपने द्रव द्वारा विस्थापित कर दिए जाते हैं।

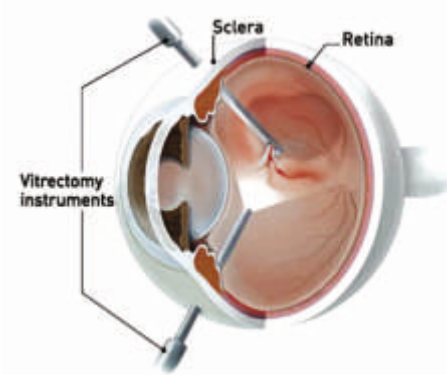

संयुक्त चिकित्सा

लेज़र उपचार के साथ एंटी-वीईजीएफ इंजेक्शन के मदद से दृष्टि संबंधी कार्य तथा जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने की संभावनाएँ बढ़ जाती है।

नियमित देखभाल

एंटी-वीईजीएफ इंजेक्शन थैरेपी

यह डायबेटिक मैक्युलर एडिमा के लिए एक मान्य दवा है.

यह कैसे काम करती है?

यह रेटिना के पीछे नई रक्त वाहिकाओं के बनने से रोकने, रेटिना को रिसाव से मुक्त रखने और दृष्टि की आगामी क्षति का जोखिम कम करता है।

दवा का प्रभाव एक महीने या उससे अधिक समय तक रह सकता है, अत: आपको मिलने वाले इंजेक्शनों की संख्या आपके आँखों की स्थिति पर और आपके डॉक्टर के परामर्श पर निर्भर करेगी।

फायदे

एंटी-वीईजीएफ इंजेक्शन से उपचार से महत्वपूर्ण दृष्टिगत गुण (रंग, चमक एवं तीक्ष्णता) एवं अनेक गतिविधियाँ, जैसे पढ़ना, टेलीविजन देखना, कार चलाना आदि बेहतर हो सकती हैं, जिनसे जीवन की गुणवत्ता में सुधार आता है।

अस्वीकरण: यह सामग्री केवल सूचना के उद्देश्य से है। यह किसी चिकित्सक या स्वास्थ्य देखभालकर्ता की सलाह या परामर्श का स्थान नहीं ले सकती है। हम ऐसी सूचना उपलब्ध करवाने के लिए यथासंभव प्रयास करते हैं, जो सही एवं समय पर हो, लेकिन इस संबंध में कोई गारंटी नहीं देते हैं। आपको केवल अपने नेत्र-विशेषज्ञ या स्वास्थ्य देखभालकर्ता से परामर्श करना चाहिए और उसके परामर्श का अनुपालन करना चाहिए।

Hindi 2127066

INTAS
INTAS PHARMACEUTICALS LIMITED
Near Sola Bridge, S.G. Highway, Thaltej,
Ahmedabad – 380054, Gujarat, INDIA.
Website : www.intaspharma.com

RAZUMAB™
Ranibizumab 0.5 mg Injection